दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 205 रविवार 15 फरवरी 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

समाजसेवी हरिकेशव धर द्विवेदी के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इंदिरा चैरिटेबल सोसाइटी के दो दशको से अध्यक्ष रहे डॉ. हरिकेशवधर द्विवेदी का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

डा.हरिकेशवधर द्विवेदी की शव यात्रा के दौरान संस्थाओं के केन्द्रीय कार्यालय कप्तानगंज के पिकौरा सानी पर उन्हें पुष्प अर्पित किया गया। संस्था के सीईओ अजय कुमार पाण्डेय की अगुवाई में संस्था के पदाधिकारीगण और शुभेच्छुओं ने उन्हें अंतिम विदाई दी। डा. हरिकेशवधर द्विवेदी ने अपने जीवन में समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी अध्यक्षता में संस्था ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी कीं और समाज के विकास में अपना योगदान दिया।

समाधान दिवस में 4 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । फरवरी माह के दूसरे शनिवार को कलवारी थाने में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया ।थानाध्यक्ष कलवारी गजेंद्र प्रताप सिंह ने थाना परिसर में क्षेत्र से आए फरियादियों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सभी चौकी प्रभारी, बीपीओ, हल्का प्रभारी और राजस्व कर्मी उपस्थित रहे।

थानाध्यक्ष ने सुनवाई के बाद हल्का लेखपालों और बीपीओ को प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर विधिक कार्यवाही कर उनका निस्तारण करने का निर्देश दिया।थाना समाधान दिवस में कुल 24 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से सभी राजस्व विभाग से संबंधित थे। इन 24 प्रार्थना पत्रों में से 4 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 20 प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया थाना क्षेत्र के ग्राम बसेवा राय में शनिवार सुबह हड़कंप मच गया। गांव के पूरब स्थित तालाब किनारे एक जामुन के पेड़ से रस्सी के फंदे से लटकता हुआ एक युवक का शव मिला। मृतक की पहचान बसेवा राय निवासी 28 वर्षीय अंकुर उर्फ अवधेश पुत्र प्रहलाद के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि अंकुर गांव के काली मंदिर में आयोजित कथा कार्यक्रम में शामिल होने गया था। देर रात तक वह घर नहीं लौटा, जिसके बाद परिवार के सदस्यों ने अपने स्तर पर उसकी खोजबीन शुरू की। हालांकि, इस संबंध में थाना स्तर पर कोई गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई गई थी। शनिवार सुबह करीब 9 बजे ग्रामीणों ने तालाब के पास जामुन के पेड़ से युवक को फंदे से लटकता देखा। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। फिलहाल युवक की मौत के कारणों की स्पष्ट पुष्टि नहीं हो सकी है। आसपास के लोग इस घटना को पारिवारिक कलह से जोड़कर देख रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है और अन्य विधिक प्रक्रियाएं नियमानुसार पूरी की जा रही हैं।

यूपी को मिलने वाला है सबसे लम्बा एक्सप्रेसवे

लखनऊ (आभा)। 594 किलोमीटर लम्बे यूपी के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे गंगा एक्सप्रेसवे के मेन कैरिजवे का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वाहनों का अवागमन शुरू होने के पहले सुरक्षात्मक उपायों पर काम चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में संचालित एक्सप्रेसवे के किनारे खम्भे लगा कर लोहे के तारों से फेंसिंग कराई गई है। उत्तर प्रदेश को अब तक का सबसे लंबा गंगा एक्सप्रेसवे जल्द ही मिलने वाला है। शनिवार को इस बारे में कुछ अपडेट्स आईं। यूपी के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने लखनऊ स्थित पिकप भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के विकास कार्यों, संचालित, निर्माणाधीन और प्रस्तावित एक्सप्रेसवे के साथ ही अन्य कामों की समीक्षा की। जिसमें मंत्री नन्दी ने निर्माणाधीन मेरठ से प्रयागराज तक उत्तर प्रदेश के सबसे लम्बे गंगा एक्सप्रेसवे के बचे हुए काम को जल्द पूरा कराने और प्रस्तावित सभी नवीन एक्सप्रेसवे का हर हाल में अक्टूबर 2026 तक शिलान्यास कराने के निर्देश दिए।

भद्रेश्वरनाथ मंदिर परिसर में लगेगा खोया पाया शिविर, एसडीएम ने किया उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को महाशिव रात्रि पर्व की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। शनिवार को उप जिलाधिकारी बस्ती सदर शत्रुघ्न पाठक, सीओ बस्ती सदर सत्येन्द्र भूषण तिवारी और समिति के संरक्षक डा. वीके वर्मा ने श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर परिसर में समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में संचालित बिछड़े मिले, खोया पाया माध्यम शिविर का उद्घाटन किया। कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर लाखों की संख्या में भक्तों की आस्था उमड़ती है। ऐसे में जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा खोया पाया शिविर संचालन एक अच्छी पहल है. इससे मेले में बिछड़े लोगों को अपनों से मिलाना आसान हो जाता है।

समिति के संरक्षक डा. वीके वर्मा ने कहा कि खोया पाया शिविर की जरूरत हमेशा बनी रहेगी, पिछले 34 वर्षों से जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा खोया पाया शिविर का अनवरत संचालन एक उपलब्धि है. बिछड़ों को मिलाना पुनीत कार्य है।

शिविर संचालक जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि जितना संभव होगा चाहे जितनी कठिनाईयां आयें शिविर का संचालन अनवरत जारी रहेगा. किसी के खोये हुये बच्चे को उसके परिवार से मिलाने पर खुशी मिलती है.शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से भूमिधर गोस्वामी, राजेश गिरी, शिव पुजारी गिरी, प्रदीप सिंह पिकू, नवीन दूबे, बालकृष्ण तिवारी पिन्टू, महेन्द्र प्रताप चौधरी, राजेश्वर तिवारी, प्रिन्स शुक्ला, कौशल शुक्ल,रविशंकर शुक्ल, गुड्डू पाण्डेय, गौरव गोस्वामी, बब्लू तिवारी, विजय प्रकाश गोस्वामी, सीए अजीत चौधरी आदि उपस्थित रहे।

डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को 'राष्ट्रीय साहित्य मणि' पुरस्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अलीगढ़ महोत्सव में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को उनके साहित्यिक योगदान के लिए राष्ट्रीय साहित्य मणि' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पिछले पांच दशक से साहित्य के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय और 'चाशनी' से लेकर 'किसी की दिवाली किसी का दिवाला', विलाप खण्ड काव्य, 'हम तो केवल आदमी हैं', 'सच का दस्तावेज' खुशियों की गौरैया, बाल सुमन, बाल चेतना, नन्हें मुन्नों का संसार आदि कृतियों के रचयिता डॉ. जगमग कृत चाशनी का अब तक छह संस्करण प्रकाशित हो चुका है।

प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चिकित्सक एवं साहित्यकार डा. वीके वर्मा ने कहा कि डॉ. जगमग ने जहां स्वयं अनेकों कृतियां समाज को दिया वहीं वे पूर्वांचल में समर्थ कवियों की पीढ़ी तैयार कर रहे हैं। चाशनी अनूठी कृति है जिसकी उपयोगिता सदैव बनी रहेगी। सम्मान से अभिभूत डॉ. जगमग ने कहा कि उन्होंने जिस तरह से जीवन को देखा उसे शब्दों में उतार दिया, यह क्रम अनवरत जारी है। पुरस्कारों से और बेहतर सृजन की क्षमता मिलती है। इस मौके पर डा. रघुवंशमणि त्रिपाठी, डा. राधेश्याम बंधु, ज्ञानेन्द्र द्विवेदी 'दीपक', विनोद कुमार उपाध्याय, डॉ. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, बीके मिश्र, डॉ. अफजल हुसैन 'अफजल', अनवार पारसा, श्याम प्रकाश शर्मा, बटुकनाथ शुक्ल, पेशकार मिश्र, डा. मुकेश मिश्रा, समीर तिवारी, अर्चना श्रीवास्तव, दीपक सिंह प्रेमी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

बिरहा गायिका द्वारा सुश्री मायावती पर अभद्र टिप्पणी से रोषः बसपा नेताओं ने किया गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बिरहा गायिका प्रतापगढ़ की रुचि यादव द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री, बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो सुश्री मायावती के प्रति अपमानजनक गीत गाये जाने से लोगों में रोष है। शनिवार को बसपा के पूर्व मण्डल प्रभारी के. पी. राठौर के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को सम्बोधित ज्ञापन सीओ सिटी को सौंपा। मांग किया कि सुश्री मायावती के प्रति अपमानजनक अभद्र टिप्पणी करने वाली गायिका रुचि यादव, बिरहा कम्पनी व रचयिता के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट लिखकर कठोर कानूनी कार्यवाही और गिरफ्तारी किया जाय जिससे भविष्य में किसी के भी द्वारा ऐसी पुनरावृत्ति ना हो सके।

बसपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मण्डल प्रभारी के.पी. राठौर ने पत्र देने के बाद कहा कि रुचि यादव के गीतों की अभद्र प्रस्तुति से बहन सुश्री मायावती जी को अपना आदर्श व मसीहा मानने वाले करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं, जिससे उनमें आक्रोश व्याप्त है। प्रशासन मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान रिकूं बंसल, अशफाक अहमद, मनीष प्रेमी, रविन्द्र कन्नौजिया, नागेन्द्र प्रताप 'दीवान जी, डा. जय सिंह, संदीप कुमार, आकाश सम्राट, अभिषेक कुमार, हरि प्रसाद, महिपाल, शिवम, प्रमोद कुमार के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर होगा सामूहिक रुद्राभिषेक और 56 भोग प्रसाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को महाशिवरात्रि पर्व पर श्री कर्णेश्वरनाथ मंदिर परिसर में सुबह 9 बजे से सामूहिक रुद्राभिषेक प्रारंभ होगा । सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने आगामी धार्मिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। बताया कि महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भगवान भोलेनाथ के पावन एवं पवित्र धाम श्री कर्णेश्वर मंदिर में सुबह आरती व प्रसाद वितरण से जलाभिषेक शुरू हो जाएगा । 9 बजे से सामूहिक रुद्राभिषेक अनुष्ठान प्रारंभ होगा, रुद्राभिषेक पूर्ण होने पर सभी श्रद्धालुओं के लिए फलाहारी प्रसाद की व्यवस्था की गयी है। सायंकालीन भगवान भोलेनाथ का श्रृंगार व 56 भोग प्रसाद व आरती का आयोजन किया गया है।

राजेश मिश्रा ने बताया कि यह सभी कार्यक्रम की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

आयोजन को सफल बनाने के लिए आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी, संतोष मिश्रा, विशाल मिश्रा एडवोकेट, सौरभ कुमार बोस, विशाल पाण्डेय, अनूप मिश्रा, पंडित आयुष्मान त्रिपाठी के साथ अन्य लोग योगदान दे रहे हैं।

18:टैरिफ बनाम०: आगे कुआं और पीछे खाई-राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली कोई सरकार अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता करती जो कपास किसानों और कपड़ा निर्यात दोनों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करता, लेकिन मोदी सरकार ने इसके बिल्कुल उलट किया। उन्होंने यह दावा भी किया कि सरकार ने व्यापार समझौते के इन पहलुओं को छिपाया भी है। राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर कहा, 18 प्रतिशत बनाम शून्य प्रतिशत शुल्क। झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस बारे में भ्रम फैला रही है। किस तरह से वे भारत–अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास उत्पादकों और वस्त्र निर्यातकों को धोखा दे रहे हैं।'

राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में वस्त्र निर्यात पर शून्य प्रतिशत शुल्क का फायदा दिया जा रहा है, शर्त बस इतनी है कि वे अमेरिकी कपास आयात करें। कांग्रेस नेता ने कहा, 'भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया कि अगर यही फायदा हमें भी चाहिए तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।' उन्होंने सवाल किया कि आखिर ये बात देश से छुपाई क्यों गई?

कांग्रेस नेता ने कहा, 'ये कैसी नीति है? क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है – या फिर आगे कुआं, पीछे खाई की हालत में फंसाने वाला जाल?' उन्होंने कहा कि अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते तो हमारा कपड़ा उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा। अब बांग्लादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है। राहुल गांधी ने इस बात का उल्लेख किया कि भारत में कपड़ा उद्योग और कपास की खेती आजीविका की रीढ़ हैं और करोड़ों लोगों की रोजी–रोटी इन्हीं पर टिकी है।

मोदी–ट्रम्प ट्रेड डील के विरोध में 'आप' ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर मोदी–ट्रंप ट्रेड डील को तत्काल निरस्त करने और देश के किसानों, आम नागरिकों के हितों की रक्षा की मांग को लेकर जिलाधिकारी के द्वारा राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन देने के बाद जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने देश के करोड़ों किसानों के हितों को अमेरिका के सामने गिरवी रख दिया है। इस समझौते के तहत अमेरिका भारतीय उत्पादों पर 18 प्रतिशत टैक्स लगाएगा जबकि भारत अमेरिकी उत्पादों पर जीरो प्रतिशत टैक्स वसूलेगा, और सबसे गंभीर बात यह है कि भारत का कृषि बाजार अमेरिकी किसानों के लिए खोल दिया गया है, जिन्हें वहां लगभग 80 लाख रुपये तक की सब्सिडी मिलती है। ऐसे में भारतीय किसान ऐसी किसी सब्सिडी के अभाव में उनसे कैसे प्रतिस्पर्धा करेगा। सरकार को यह स्पष्टीकरण देना ही होगा कि देश के किसान हितों का क्या होगा।

–भारत–अमेरिका डील देश के किसानों के साथ विश्वासघात– डा. राम सुभाष वर्मा

आम आदमी पार्टी के प्रान्तीय सचिव और बौद्ध प्रान्त के सह प्रभारी पतिराम आजाद ने कहा कि किसानों, एमएसएमई, छोटे व्यापारियों, युवाओं और मध्यम वर्ग पर इस ट्रेड डील का क्या प्रभाव पड़ेगा इस पर कोई विस्तृत श्वेत पत्र या संसदीय चर्चा अब तक सामने नहीं आई है। यदि यह डील भारतीय बाजार को अस्तुलित तरीके से विदेशी हितों के लिए खोलती है, तो इसका सीधा दुष्प्रभाव कृषि, रोजगार और स्थानीय उद्योगों पर पड़ेगा। यह केवल आर्थिक समझौता नहीं बल्कि देश की आत्मनिर्भरता और कृषि संरचना पर सीधा प्रहार है। इससे छोटे किसानों की आय पर असर पड़ेगा, स्थानीय बाजार विदेशी कंपनियों के लिए खोले जाएंगे और आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ेगा। यह डील देश हित में नहीं है।

राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला महासचिव चन्द्रभान कन्नौजिया, महिला जिलाध्यक्ष मिथलेश भारती, राम सजन सूर्यवंशी, राधिका देवी, अब्दुल कयूम, रोजन, बब्लू, पंकज के साथ ही आम आदमी पार्टी के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

भारत का मुसलमान दलितों से बदतर जिन्दगी गुजारने को मजबूर–अकरम अन्सारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को मोमिन अन्सार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अकरम अन्सारी पूर्वांचल के दो दिवसीय दौरे की कड़ी में बस्ती पहुंचे। जिलाध्यक्ष समीउल्लाह अंसारी के नेतृत्व में कोर्ट एरिया के निकट स्थित कार्यालय पर उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अकरम अन्सारी ने अन्सार सभा के पदाधिकारियो व बुद्धिजीवियों के साथ बैठक की और कहा कि आज के हालात में मुसलमानों पिछड़ों और सर्वहारा समाज को बेहद जागरूक संगठित और सक्रिय रहना है क्योंकि यह वक्त सियासी समाजी बदलाव का है।

कहा कि आज भारत का मुसलमान दलितों से बदतर जिन्दगी गुजारने को मजबूर है क्योंकि हमने कभी अपने रोजगार तालीम तहफ्फुज की खातिर वोट नहीं किया और न ही खुद सियासत में अपनी विचाधारा के साथ सदनों में पहुंचने की कोशिश की लेकिन पिछले 70 सालों में मुसलमानों ने सेक्युलरिज्म के नाम पर जिनकी पार्टियों को वोट दिया उन्होंने कभी भी मुसलमानों के साथ इंसाफ नहीं किया।अकरम अन्सारी ने कहा कि याद रखें अब यह परवाह किये बगैर कि कौन हारेगा कौन जीतेगा हम अपनी सारी ताकत खुद जीतने के लिए लगाएंगे। मनुवादी सोच वाले लोगों को अब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता ऐसे लोग चुनाव के समय सर्वहारा समाज को मुसलमान मानते हैं लेकिन सर्वहारा समाज के वोटों से सांसद विधायक बनते ही इन्हे मुसलमानों का पेशा दिखने लगता है ईमान नहीं दिखता है स

आगामी पंचायत चुनाव के लिये मोमिन अन्सार सभा के पदाधिकारियों सदस्यों बुद्धिजीवियों समाज सेवकों से कहा की कि कौम ओ मिल्लत की कामयाबी के लिए आगामी पंचायत चुनाव में अल्पसंख्यक , सर्वहारा समाज के अधिक से अधिक जमीनी प्रत्याशियों को चुनाव में तन मन धन से लड़ाने व जिताने का काम करें। अकरम अन्सारी ने कहा की उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में मोमिन अन्सार सभा मुसलमानों की कयादत वाली पार्टियों को एक मंच पर लाने व उत्तर प्रदेश की सर्वहारा पिछड़े समाज को तीसरा विकल्प देने का काम करेंगे। यह तीसरा मोर्चा जनसख्या के अनुपात में अपने प्रत्याशियों को विधानसभा चुनाव जिताकर विधानसभा भेजने का काम करेगा।

यह जानकारी देते हुये मीडिया प्रभारी कमरूल हसन ने बताया कि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला प्रभारी नुरूल हक अंसारी, मण्डल प्रभारी जावेद इकबाल, अबरार अहमद अंसारी, अताउहक अंसारी, इकबाल अहमद, मो. एकलाख अंसारी, फिरोज अंसारी, मेंहदी हसन अंसारी, मो. जावेद अंसारी, महमूद आलम अंसारी, मो. अतहर अंसारी आदि शामिल रहे।

मनरेगा कानून बदले जाने के विरोध में 17 को विधानसभा का घेराव करेंगे कांग्रेसी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मनरेगा कानून बदले जाने के सवाल को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन निरन्तर जारी है। शनिवार को कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि आगामी 17 फरवरी को मनरेगा बचाओ संग्राम की कड़ी में यूपी विधानसभा का घेराव किया जायेगा जिसमें बस्ती से बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल होंगे। कहा कि भाजपा सरकार भारत के सबसे गरीब लोगों के लिए गरिमा, सुरक्षा और जीवन यापन की गारंटी वाले मनरेगा कानून को कमजोर कर इसे खत्म करने की साजिश कर रही है। कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध है कि जबतक मनरेगा को पूरी तरह उसके मूल स्वरूप में बहाल नही किया जाता तब तक मनरेगा बचाने की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक जारी रहेगी।

–सड़क से संसद तक जारी रहेगा मनरेगा के लिये संघर्ष– विश्वनाथ चौधरी

बताया कि भारतीय जनता पार्टी के इस मजदूर विरोधी नियम के आते ही कांग्रेस ने 3 जनवरी से ही पूरे देश में मनरेगा बचाओ संग्राम शुरू कर दिया था। पिछले एक महीने से जारी इस संग्राम में हम गांधीवादी तरीके से इस संवेदनहीन बदलाव का विरोध कर रहे है। पूरे प्रदेश में 5000 से ज्यादा मनरेगा बचाओ चौपालों का आयोजन किया जा चुका है। 13 फरवरी को सभी 75 जनपदों में मनरेगा बचाओ पदयात्रा की गई।

पत्रकारों के सवालों का उत्तर देते हुये कांग्रेस नेता डा. वाहिद अली सिद्दीकी, शौकत अली नन्हू, संदीप श्रीवास्तव, साधू सरन आर्य, अलीम अख्तर ने कहा कि मनरेगा बचाओ संग्राम का दूसरा चरण शुरू होने जा रहा है। इसमें हम 17 फरवरी को लखनऊ में विधानसभा घेराव करेंगे और राज्य सरकार को बतायेंगे कि कैसे केन्द्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ आप पर बोझ डालकर खुद बच जाना चाह रही है। हम यह बतायेंगे कि कैसे मनरेगा कानून में किये जा रहे बदलाव संघीय ढाचे को कमजोर करने का एक कुत्सित प्रयास है।

प्रेस वार्ता में जयन्त चौधरी, विनय तिवारी, आशुतोष पाण्डेय, शुभम गाँधी आदि मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 फरवरी 2026 रविवार

सम्पादकीय

कर्ज के दुष्चक्र में उलझा किसान

गांधी जी अक्सर कहा करते थे कि भारत की आत्मा गांव और खेतीकिसानी में बसती है। लेकिन आजादी के बाद भी कृषि क्षेत्र की विसंगतियां व विरोधाभास अंतिम रूप से दूर नहीं हुए। भले ही किसान दमनकारी साहूकारों के चंगुल से किसी हद तक मुक्त हो गए हों, लेकिन धीरे–धीरे सरकारी, सहकारी और अन्य वित्तीय संस्थानों के कर्ज तले दबते चले गए। फिलहाल सकारात्मक पक्ष यह है कि केंद्र सरकार रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन, डिजिटल तकनीकों से खेती के तौर–तरीकों में बदलाव और ऋण विस्तार को आसान बनाने के लिये प्रयत्नशील है। लेकिन नकारात्मक पक्ष यह है कि किसान कर्ज के दुश्चक्र में फंसता जा रहा है। यह कड़वी सच्चाई हाल रिपोर्ट से प्रकाश में आए आंकड़ों से उजागर हुई है। पिछले दिनों प्रकाशित रिपोर्ट में यह चिंताजनक तथ्य सामने आया है कि अनाज के भंडार के रूप से प्रसिद्ध राज्य पंजाब व हरियाणा के किसान देश के सबसे ज्यादा ऋणग्रस्त राज्यों में शुमार हैं। हाल में जारी रिपोर्ट के अनुसार पंजाब व हरियाणा में प्रति कृषि परिवार पर 2.03 लाख और 1.83 लाख रुपये का ऋण बकाया है। जो देश में सबसे ज्यादा ऋण लेने वाले राज्यों में तीसरा व चौथा स्थान बनता है। यह स्थिति तब है जब ऋण का यह राष्ट्रीय औसत 74, 121 रुपये है। केवल आंध्र प्रदेश और केरल में ही इससे अधिक ऋण का बोझ दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी ओर नागालैंड, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में कृषि ऋण नगण्य ही है। यह स्थिति भारतीय कृषि में गहरे संरचनात्मक असुंतलन को ही उजागर करती है। निस्संदेह, पंजाब और हरियाणा में किसान परिवारों पर भारी कर्ज कोई महज संयोग नहीं है। निर्विवाद रूप से पंजाब व हरियाणा ने देश में हरित क्रांति का नेतृत्व किया है। इन राज्यों ने समय की जरूरत के हिसाब से बहुउपयोगी कृषि को अपनाया है और भारत की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ बने हैं। मगर विषम परिस्थितियों के चलते इसका अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाया।

लेकिन यह एक हकीकत है कि हाल के दशकों में खेती का यह मॉडल काफी दबाव में आ गया है। खेती–किसानी की लगातार बढ़ती लागत, स्थिर कृषि आय, छोटी और खंडित भू–जोत, अनियमित मानसून, खरीद प्रक्रिया में देरी और बढ़ते घरेलू खर्च ने ऋण पर निर्भरता का दुश्चक्र स्थापित कर दिया है। इसमें दो राय नहीं कि देश में संस्थागत ऋण की आसान उपलब्धता ने इन राज्यों में कृषि उत्पादकता को बढ़ावा दिया है। लेकिन यह भी एक कड़वी हकीकत है कि ऋण की सहज उपलब्धता ने किसानों के जीवनयापन के साधन के रूप में उधार लेने की प्रक्रिया को सामान्य स्थिति बना दिया है। किसान खेती–किसानी की जरूरतों से इतर भी बड़े पैमाने पर ऋण लेने लगे। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार दावा करती रही है कि वह किसानों के हितों को हमेशा ही प्राथमिकता देती रही है। किसानों के जीवन में बदलाव के लिये 84.8 करोड़ किसानों के लिये डिजिटल आईडी, भौगोलिक संदर्भ पर आधारित फसल सर्वेक्षण और सुव्यवस्थित प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण से दक्षता और पारदर्शिता का वायदा किया जा रहा है। भारत के केंद्रीय बैंक आरबीआई द्वारा किसान क्रेटिड कार्ड योजना में प्रस्तावित सुधार–फसल चक्र के साथ ऋण की अवधि को संरेखित करना– इस बात का संकेत है कि ऋण को बदलती कृषि परिस्थितियों के अनुरूप विकसित किया जाना चाहिए। प्रौद्योगिकी और बेहतर ढंग से डिजाइन किए गए ऋण स्वागत योग्य कदम है। लेकिन ये प्रावधान अकेले ही गहरी जड़ें जमा चुके ऋण संकट की समस्या को दूर नहीं कर सकते हैं। यह कटु सत्य है कि यदि आय लागत के अनुरूप नहीं बढ़ती, यदि बदलते हालत में फसल विविधीकरण के प्रयास सिरे नहीं चढ़ते तथा देश में यदि जलवायु परिवर्तन का चक्र तेज होता है, तो ऋणों का दबाव बना रहेगा। अब चाहे ऋण कितनी भी कुशलता से संचालित किए जाएं। बहरहाल, ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे देश के अन्नदाता को ऋण संकट के गंभीर जाल से बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करें।

राजनीतिः बीच बहस में राइट टू रिकॉल

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सत्ता जनता के हाथों में निहित होती है और निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के सेवक होते हैं। चुनाव इसी व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जिनके द्वारा जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है। किंतु व्यवहार में यह आदर्श अक्सर कमजोर पड़ता दिखाई देता है। चुनाव से पहले नेता जनता के बीच सक्रिय रहते हैं, जनसभाएँ करते हैं, समस्याएँ सुनते हैं और बड़े–बड़े वादे करते हैं, लेकिन जैसे ही चुनाव संपन्न होता है और सत्ता मिलती है, वही नेता जनता से दूर होते चले जाते हैं। धीरे–धीरे स्थिति ऐसी बन जाती है कि जनता अपने ही प्रतिनिधियों से मिलने और अपनी बात रखने के लिए संघर्ष करती नजर आती है। यही वह विरोधाभास है जिसने "राइट टू रिकॉल" जैसे विचार को जन्म दिया है।

वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के पास प्रतिनिधियों को नियंत्रित करने का एकमात्र प्रभावी साधन अगला चुनाव होता है, जो प्रायः पाँच वर्ष बाद आता है। यदि इस अवधि के दौरान कोई प्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाए, जनता की समस्याओं की अनदेखी करे या अपने चुनावी वादों से पूरी तरह मुकर जाए, तो जनता असहाय बनी रहती है। यह असहायता लोकतंत्र में निराशा और अविश्वास को जन्म देती है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जिस जनता को प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है, क्या उसे प्रतिनिधि को हटाने का अधिकार नहीं होना चाहिए?

"राइट टू रिकॉल" इसी प्रश्न का उत्तर प्रस्तुत करता है। इसका तात्पर्य है कि यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करता, जनता के विश्वास को तोड़ता है या लगातार जनविरोधी कार्य करता है, तो जनता एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से उसे कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही पद से हटा सके। यह अवधारणा लोकतंत्र को केवल प्रतिनिधिक नहीं रहने देती, बल्कि उसे वास्तविक अर्थों में जवाबदेह बनाती है। इससे प्रतिनिधियों को यह स्पष्ट संदेश मिलता है कि उनकी जिम्मेदारी चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे कार्यकाल में जनता के प्रति बनी रहती है।

दुनिया के कई हिस्सों में इस विचार को व्यवहार में लाया गया है। उदाहरणस्वरूप, स्विट्जरलैंड में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की परंपरा मजबूत मानी जाती है, जहाँ नागरिकों की भूमिका केवल प्रतिनिधि चुनने तक सीमित नहीं रहती। इसी तरह संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर पर रिकॉल चुनावों के माध्यम से निर्वाचित प्रतिनिधियों को हटाने की व्यवस्था मौजूद है। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि "राइट टू रिकॉल" कोई अव्यावहारिक कल्पना नहीं, बल्कि एक कार्यशील लोकतांत्रिक उपाय है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में जवाबदेही का प्रश्न और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यहाँ पंचायत स्तर पर कुछ राज्यों में सरपंच या स्थानीय प्रतिनिधियों को हटाने की सीमित व्यवस्थाएँ मौजूद हैं, किंतु विधायक और सांसद जैसे उच्च पदों के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। परिणामस्वरूप, कई बार जनता को पाँच वर्षों तक ऐसे प्रतिनिधियों को झेलना पड़ता है, जो न तो सदन में सक्रिय रहते हैं और न ही अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते हैं।

भारत में "राइट टू रिकॉल" की मांग समय–समय पर उठती रही है। इसके समर्थकों का मानना है कि यह व्यवस्था नेताओं में निरंतर जवाबदेही का भाव पैदा करेगी। जब प्रतिनिधि को यह ज्ञात होगा कि जनता चाहे तो उसे पद से हटा सकती है, तब वह जनहित के मुद्दों को गंभीरता से लेगा। इससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, सत्ता के दुरुपयोग की प्रवृत्ति कम होगी और लोकतंत्र केवल औपचारिक न रहकर जीवंत बनेगा। इसके अतिरिक्त, यह अधिकार जनता को केवल मतदाता नहीं, बल्कि सक्रिय लोकतांत्रिक भागीदार के रूप में स्थापित करेगा।

हालाँकि इस अवधारणा के आलोचक भी कम नहीं हैं। उनका तर्क है कि "राइट टू रिकॉल" से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। बार–बार रिकॉल की कोशिशें सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही यह आशंका भी व्यक्त की जाती है कि विपक्षी दल या प्रभावशाली हित समूह इस अधिकार का दुरुपयोग कर सकते हैं और जनभावनाओं को भड़काकर निर्वाचित सरकारों को गिराने का प्रयास कर सकते हैं। तात्कालिक असंतोष या अफवाहों के आधार पर लिया गया निर्णय दीर्घकालिक नीतियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

इन आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन इन्हें आधार बनाकर "राइट टू रिकॉल" की अवधारणा को पूरी तरह खारिज कर देना भी उचित नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि इसे संतुलित और विवेकपूर्ण ढंग से लागू किया जाए। यदि रिकॉल प्रक्रिया शुरू करने के लिए मतदाताओं के एक बड़े हिस्से का समर्थन अनिवार्य किया जाए, कार्यकाल के शुरुआती और अंतिम चरणों में इस पर रोक लगाई जाए और पूरी प्रक्रिया स्वतंत्र तथा पारदर्शी संस्थाओं द्वारा संचालित हो, तो दुरुपयोग की संभावना काफी हद तक कम की जा सकती है।

लोकतंत्र कोई स्थिर व्यवस्था नहीं हैय यह समय और समाज की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित होता रहता है। जिस प्रकार सार्वभौमिक मताधिकार, सूचना का अधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़े सुधारों ने लोकतंत्र को अधिक मजबूत बनाया, उसी प्रकार "राइट टू रिकॉल" भी लोकतांत्रिक विकास की अगली कड़ी के रूप में देखा जा सकता है। आज जब जनता पहले से अधिक जागरूक है, सूचना तक उसकी पहुँच व्यापक है और वह अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है, तब लोकतंत्र में जवाबदेही के नए औजारों की मांग स्वाभाविक है।

अंततः "राइट टू रिकॉल" कोई चमत्कारी समाधान नहीं है, लेकिन यह उस समस्या को अवश्य संबोधित करता है जिसमें चुनाव के बाद जनता और नेता के बीच दूरी बढ़ जाती है। यह अवधारणा नेताओं को यह स्मरण कराती है कि सत्ता स्थायी अधिकार नहीं, बल्कि जनता की अमानत है। यदि इसे संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर, चरणबद्ध और संतुलित रूप में लागू किया जाए, तो यह लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बना सकती है। एक सशक्त लोकतंत्र वही होता है जहाँ जनता केवल वोट डालने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सत्ता को नियंत्रित करने की वास्तविक क्षमता भी रखे।

यूपी में राजनीतिक सरगर्मियां

—अजय कुमार—

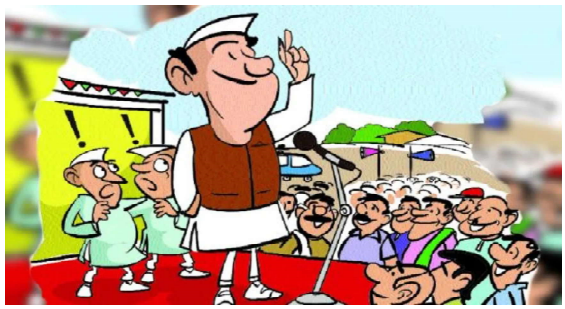

उत्तर प्रदेश की राजनीति में जैसे–जैसे विधानसभा चुनाव 2027 का समय नजदीक आ रहा है, वैसे–वैसे सियासी हलचल तेज होती जा रही है। इस बार चुनावी रणनीतियों का केंद्र अचानक वही जिला बन गया है, जिसे लंबे समय तक सत्ता के लिहाज से 'अशुभ' माना जाता रहा। बात हो रही है गौतमबुद्ध नगर यानी नोएडा की। दिल्ली से सटे इस जिले ने अब प्रदेश की राजनीति में वह हैसियत बना ली है, जहां से उठने वाली लहर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तकरीबन 100 विधानसभा सीटों को प्रभावित करने की ताकत रखती है। यही वजह है कि भाजपा, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी तीनों ने अपने–अपने मिशन–2027 की शुरुआत यहीं से करने का फैसला किया है।गौतमबुद्ध नगर को आज उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहा जाने लगा है। जिले में आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बीते पांच वर्षों में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे बस रही यमुना सिटी, प्रस्तावित फिल्म सिटी और अंतरराष्ट्रीय स्तर का जेवर एयरपोर्ट इस जिले को राज्य की विकास गाथा का पोस्टर बॉय बना चुके हैं। राजनीति में विकास अक्सर सबसे बड़ा हथियार होता है और सत्तारूढ़ दल इस हथियार को पूरी धार के साथ मैदान में उतारने की तैयारी कर चुका है।

भारतीय जनता पार्टी इस बार विकास के ठोस आंकड़ों और बड़ी परियोजनाओं को अपने चुनावी अभियान की रीढ़ बना रही है। 21 फरवरी को यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टर–28 में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का शिलान्यास प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद रहेंगे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल माध्यम से जनसभा को संबोधित करेंगे। करीब 48 एकड़ में लगने वाली इस यूनिट में एचसीएल और फॉक्सकॉन जैसी दिग्गज कंपनियां निवेश कर रही हैं। शुरुआती चरण में ही इससे 4,000 प्रत्यक्ष और 10,000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है। भाजपा नेताओं का दावा है कि सेमीकंडक्टर यूनिट केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश को तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने वाला कदम है। पार्टी का आकलन है कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा पहले ही आईटी हब के रूप में पहचान बना चुके हैं और अब चिप मैन्युफैक्चरिंग के साथ यह इलाका वैश्विक मैप पर और मजबूती से उभरेगा। इसके तुरंत बाद जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के शुभारंभ की तैयारी है। लगभग 1,334 हेक्टेयर में फैले इस एयरपोर्ट की पहली फेज क्षमता सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की है, जिसे अगले चरणों में 7 करोड़ तक ले जाने की योजना है। भाजपा इसे पश्चिमी यूपी के विकास का गेमचेंजर मान रही है।

दूसरी ओर समाजवादी पार्टी ने इस बार पुराने अंधविश्वासों को पीछे छोड़ते हुए नोएडा को ही अपनी सियासी प्रयोगशाला बनाया है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव 29 मार्च को दादरी के मिहिर भोज डिग्री कॉलेज से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करने जा रहे हैं। इसे 'समाजवादी समानता भाईचारा रैली' और 'पीडीए भागीदारी यात्रा' का नाम दिया गया है। सपा नेतृत्व का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पश्चिमी यूपी में पार्टी के प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया है कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग का गठजोड़ अगर जमीन पर उतर आया तो भाजपा के लिए राह आसान नहीं रहेगी।सपा के रणनीतिकारों का कहना है कि गौतमबुद्ध नगर की सामाजिक संरचना पीडीए फॉर्मूले के लिए अनुकूल है। जिले की करीब 35 प्रतिशत आबादी पिछड़े वर्गों से आती है, जबकि दलित और अल्पसंख्यक मिलकर लगभग 30 प्रतिशत मतदाता हैं। इसके अलावा गुर्जर, जाट और त्यागी जैसी प्रभावशाली जातियों की मौजूदगी यहां की राजनीति को और दिलचस्प बना देती है। अखिलेश यादव को भरोसा है कि जिस तरह 2012 में उन्होंने यहीं से साइकिल यात्रा शुरू कर पूर्ण बहुमत हासिल किया था, उसी तरह 2027 में भी नोएडा से उठी लहर लखनऊ तक पहुंचेगी।

बहुजन समाज पार्टी भी इस जिले को हल्के में लेने के मूड में नहीं है। यह जिला बसपा सुप्रीमो मायावती का गृह जनपद है और पार्टी इसे अपनी राजनीतिक शो विंडो मानती है। 15 मार्च को मान्यवर कांशीराम की जयंती पर नोएडा स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में बड़े शक्ति प्रदर्शन की तैयारी है। पार्टी नेताओं का दावा है कि मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, अलीगढ़ और आगरा मंडल से लाखों कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में जुटेंगे। बसपा का फोकस साफ है अपने कोर दलित वोट बैंक को फिर से एकजुट करना और यह संदेश देना कि सत्ता की दौड़ में वह अभी भी मजबूत खिलाड़ी है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गौतमबुद्ध नगर की अहमियत सिर्फ यहां की तीन विधानसभा सीटों तक सीमित नहीं है। नोएडा का राजनीतिक संदेश पूरे दिल्ली–एनसीआर में गूंजता है। यहां होने वाली रैलियां, घोषणाएं और विकास परियोजनाएं मीडिया और सोशल प्लेटफॉर्म के जरिए पश्चिमी यूपी के हर जिले तक पहुंचती हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस जिले में क्लीन स्वीप किया था, लेकिन इस बार मुकाबला कहीं ज्यादा त्रिकोणीय और कड़ा नजर आ रहा है।

जिले में तेजी से बढ़ती शहरी आबादी, प्रवासी मतदाताओं की संख्या और रोजगार से जुड़े मुद्दे इस बार चुनावी बहस के केंद्र में रहेंगे। नोएडा–ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दस सालों में यहां की आबादी में करीब 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें बड़ी संख्या युवाओं और मध्यम वर्ग के पेशेवरों की है, जिनकी प्राथमिकताएं पारंपरिक जातीय राजनीति से अलग विकास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी हैं।यही कारण है कि 2027 की चुनावी जंग में नोएडा केवल एक जिला नहीं, बल्कि सत्ता की प्रयोगशाला बन चुका है। यहां जो प्रयोग सफल होगा, वही मॉडल पूरे प्रदेश में दोहराया जाएगा। भाजपा विकास की रफ्तार और बड़ी परियोजनाओं के सहारे मैदान में है, सपा सामाजिक गठजोड़ और नए संदेश के साथ वापसी की कोशिश में है, जबकि बसपा अपने पुराने आधार को फिर से मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। आने वाले एक महीने में होने वाली रैलियां और कार्यक्रम यह तय करेंगे कि 2027 के चुनावी ऊंट की करवट किस ओर बैठेगी, लेकिन इतना तय है कि इस बार सत्ता की राह नोएडा होकर ही गुजरेगी।

मुस्लिम वोटों के बंटवारे की चिंता

—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुस्लिम मतदाता सदैव निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी एकजुटता और रणनीतिक वोटिंग ने कई चुनावों के परिणाम बदल दिए हैं। प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब बीस प्रतिशत है, जो सवा चार सौ विधानसभा क्षेत्रों में से सवा सौ से अधिक पर अपना प्रभाव डालती है। इनमें सत्तर क्षेत्र ऐसे हैं, जहां मुस्लिम मतदाताओं का प्रतिशत तीस से अधिक रहता है। कभी कांग्रेस का मजबूत आधार रहे ये मतदाता अब हवा के रुख के अनुसार अपना पाला बदल लेते हैं। उनका मुख्य उद्देश्य हमेशा उन दलों को सत्ता से दूर रखना रहता है, जो हिंदू हितों की बात प्रमुखता से करते हैं। यही वजह है कि कांग्रेस के कमजोर पड़ने के साथ मुस्लिम मतदाताओं ने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की ओर रुख करने में जरा भी गुरेज नहीं किया। 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को अधिकांश मुस्लिम वोट मिले, लेकिन बहुजन समाज पार्टी को भी कुछ हिस्सा हाथ लगा। बीते निकाय चुनावों में यह पैटर्न बदला, जब मुस्लिम मतदाताओं ने एक दल के पीछे न जाकर अपनी पसंद के उम्मीदवारों को चुना। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में छोटे दलों के मुस्लिम प्रत्याशियों को समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी से अधिक समर्थन मिला। इस बदलाव ने राजनीतिक दलों को सोचने पर मजबूर कर दिया।मुस्लिम नेताओं ने अपनी अलग पार्टियां बनाकर इन मतों को लुभाने की कोशिश की। मुस्लिम लीग और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी जैसे पुराने संगठनों के बाद पीस पार्टी तथा उलेमा काउंसिल ने मैदान संभाला। 2022 के विधानसभा चुनाव में पीस पार्टी ने राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल के साथ गठबंधन कर कई प्रत्याशी उतारे, लेकिन सफलता सीमित रही। इन प्रयासों से मुस्लिम वोटों में कुछ बिखराव तो हुआ, लेकिन कोई बड़ा परिवर्तन नहीं आया।

अब सबसे अधिक चिंता का विषय है असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का उभार। बिहार चुनावों में पांच सीटें जीतने के बाद ओवैसी ने उत्तर प्रदेश पर नजरें टिका ली हैं। पार्टी ने 2017 के विधानसभा चुनाव के लिए सौ सीटों पर लड़ने की घोषणा की थी और अब 2027 के चुनावों के लिए ओवैसी की पार्टी ने 200 क्षेत्रों को चार भागों में बांटकर चुनाव लड़ने की तैयारी तेज कर दी है। इसकी वजह भी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम बहुल जिलों जैसे सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर, संभल और बरेली में पार्टी का जनाधार बढ़ रहा है। निकाय चुनावों में यहां उसके प्रत्याशी अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। ओवैसी का यह उभार समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी सभी की नींद उड़ा रहा है। हाल ही में समाजवादी पार्टी के सांसदों की बैठक में भी मुस्लिम वोटों के बंटवारे पर चिंता जताई गई। बिहार और महाराष्ट्र के निकाय चुनावों के उदाहरण देते हुए सपा नेताओं द्वारा यहां तक कहा गया कि ओवैसी के बिना गठबंधन से नुकसान हो सकता है। कुछ सांसदों ने गठबंधन का सुझाव दिया, हालांकि शिवपाल यादव ने ऐसी अटकलों को खारिज कर दिया। फिर भी मिशन 2027 की रणनीति पर विचार चल रहा है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की चिंता भी सामने आ चुकी है। संसद भवन परिसर में सांसद इमरान मसूद से बातचीत का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने हैदराबादी परेशानी को उत्तर प्रदेश में घुसने से रोकने की बात कही। सभी इसे ओवैसी पर तंज मान रहे हैं। खरगे ने चेतावनी दी कि ऐसा होने पर सभी को नुकसान होगा। यह वीडियो राजनीतिक हलकों में बहस छेड़ चुका है।

बहरहाल, 2027 के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाता किसके साथ खड़े होंगे, यह सवाल सभी को कुरेद रहा है। यदि पैटर्न पुराना रहा तो अधिकांश वोट समाजवादी पार्टी को मिल सकते हैं, क्योंकि पिछली बार भी यही हुआ था। लेकिन ओवैसी के बढ़ते प्रभाव से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 70 से अधिक क्षेत्रों में वोट बंट सकते हैं।

190490 डुप्लीकेट मतदाता की पुष्टि, 14099 का कटा नाम

संवाददाता–महराजगंज। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 के मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत 793464 डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन में अब तक 19090 मतदाताओं के डुप्लीकेट मतदाताओं की पुष्टि हुई है। इसमें 14099 मतदाताओं का नाम कट चुका है। शेष डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन 20 फरवरी तक चलेगा। डुप्लीकेट की पुष्टि होन पर उनका भी काटने की कार्यवाही होगी। इसके फाइनल मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 28 मार्च को किया जाएगा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदाता पुनरीक्षण अभियान जिले के सभी 882 ग्राम पंचायतों में हुआ। मतदाता पुनरीक्षण कुल 19 लाख 52 हजार 26 मतदाता हो चुके हैं। लेकिन इसमें अभी भी सात लाख 93 हजार 464 डुप्लीकेट मतदाता हैं। इसमें एक ही मतदाता का नाम कई बार है। नाम, पिता,पति, माता का नाम, लिंग समान है। ऐसे में डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन का कार्य बीएलओ कर रहे हैं। डुप्लीकेट 793684 मतदाताओं में से 190490 मतदाताओं डुप्लीकेट नाम होने की पुष्टि हुई है। इसमें जिसमें 14099 मतदाताओं का नाम हटा दिया गया है और शेष डुप्लीकेट नाम काटने की कार्यवाही चल रही है। 793684 डुप्लीकेट मतदाताओं में से 176391 मतदाता सही मिले हैं।

पल्टूराम ने बजट को कल्याणकारी बताया

संवाददाता–बलरामपुर। पूर्व राज्यमंत्री एवं सदर विधायक पल्टूराम ने केंद्रीय बजट 2026–27 को षांव, गरीब, किसान और नौजवान के कल्याण का बजटष बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के समग्र और संतुलित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विधायक आवास पर आयोजित एक प्रेस वार्ता में पल्टूराम ने जानकारी दी कि लगभग 53.5 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत राजकोषीय घाटे के लक्ष्य के साथ सरकार ने वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए विकास को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने बताया कि 12.2 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा। नई फ्रेट कॉरिडोर, हाई–स्पीड रेल और नेशनल वाटरवे जैसी परियोजनाएं देश में कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगी। इसके अतिरिक्त, सेमीकंडक्टर, बायोफार्मा और दुर्लभ खनिज क्षेत्रों में निवेश से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता में वृद्धि होगी। कर सुधारों पर बोलते हुए पल्टूराम ने कहा कि आयकर कानून 2025 को 1 अप्रैल 2026 से लागू करने तथा टीसीएस (टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) दरों में कमी से मध्यम वर्ग, विद्यार्थियों और छोटे व्यापारियों को राहत मिलेगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (डैडम्) के लिए विशेष निधि और निवेश प्रोत्साहन योजनाएं युवाओं के लिए रोजगार सृजन में सहायक होंगी। रक्षा क्षेत्र में 7.8 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती देगा। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश के लिए आधारभूत संरचना, कृषि, सिंचाई और ग्रामीण विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई है। राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण, एक्सप्रेस–वे परियोजनाओं, भंडारण एवं कोल्ड स्टोरेज इकाइयों को बढ़ावा मिलेगा।

सड़क हादसे में मामा–भांजे की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। शुक्रवार रात सड़क हादसे में मामा–भांजे की मौत हो गई। वह पिता को धार्मिक पुस्तक देने गए थे। वापस लौटते समय रास्ते में हादसा हो गया। हादसा गौरा चौराहा थाना क्षेत्र के देवलहा गांव के सामने हुआ। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। हादसे में नगर कोतवाली क्षेत्र के खलवा मोहल्ला निवासी सुनील मणि त्रिपाठी (40) और अपने मामा नितिन कुमार पांडेय (35) की मौत हुई है। बताया गया कि सुनील के पिता गोवर्धन दास महाराज उर्फ देवमणि त्रिपाठी देवलहा गांव में श्रीमद्भागवत कथा का प्रवचन कर रहे थे। प्रवचन के दौरान एक धार्मिक पुस्तक घर पर रह गई थी। उन्होंने फोन करके बेटे सुनील से पुस्तक मंगाई। सुनील अपने मामा नितिन के साथ पुस्तक लेकर देवलहा पहुंचे थे। पुस्तक देने के बाद दोनों पैदल लौट रहे थे।

देवलहा गांव के सामने दोनों बलरामपुर जाने के लिए किसी वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी समय तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, घटना के समय मार्ग से दो ट्रक गुजरे थे। आशंका जताई जा रही है कि उन्हीं में से किसी एक वाहन से हादसा हुआ होगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू की है।

हादसे से दोनों परिवारों में शोक की लहर है। नितिन कुमार पांडेय अपने पीछे पत्नी और 12 वर्षीय पुत्र सक्षम को छोड़ गए हैं। एक माह पूर्व उनकी माता का निधन हुआ था। जबकि, बड़े भाई भोला पांडेय की भी पहले ही मृत्यु हो चुकी है। परिवार में अब विधवा भाभी और उनका 17 वर्षीय पुत्र वासु ही सहारा बचे हैं।

वहीं, सुनील मणि त्रिपाठी की पत्नी का लगभग सात वर्ष पूर्व निधन हो गया था। बाद में उन्होंने अपनी विधवा भाभी से विवाह किया था। उनके परिवार में छह बेटियां और एक बेटा है। अचानक हुई इस दुर्घटना ने दोनों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर वाहन की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

हाथी के हमले से लखीमपुर निवासी महिला की मौत, दो बेटे घायल

संवाददाता–बहराइच। लखीमपुर निवासी महिला अपने दो बेटों के साथ इलाज के लिए मिहीपुरवा के खालेपुरवा गांव गई। इलाज के बाद बाइक से तीनों लोग गांव जा रहे थे। बिछिया–मिहींपुरवा मार्ग पर आए हाथी ने बाइक पर सूंड़ से हमला कर दिया। जिसमें महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दोनों बेटे घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे वन कर्मियों ने जांच की। लखीमपुर जिले के पारसपुरवा निवासी 45 वर्षीय मुन्नी देवी की तबीयत खराब है। वह लोगों की सलाह पर मिहींपुरवा के ग्राम खालेपुरवा में इलाज के लिए बेटे 18 वर्षीय करन व 14 वर्षीय अर्जुन के साथ आई। इलाज के बाद शनिवार दोपहर में तीन बजे बाइक सभी वापस घर जा रहे थे। कतर्नियाघाट रेंज के बिछिया–कतर्निया मार्ग पर बीच सड़क आए हाथी ने सूंड़ से बाइक पर हमला कर दिया। जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हमले के बाद हाथी जंगल की ओर चला गया। मौके पर रास्ते से जा रहे गोले कुरैशी व आंबा निवासी वारिस अली ने सवारी बस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। यहां पर निजी चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

महिला हाथ व सिर में गंभीर चोट लगने के चलते मौत हो गई। महिला के मौत की सूचना बेटे ने परिवारजनों को दी। परिवार के लोग बहराइच के लिए आ रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर वन क्षेत्राधिकारी आशीष गौड़, वन दरोगा राधेश्याम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को हाथियों के मूवमेंट को लेकर सचेत किया। डीएफओ अपूर्व दीक्षित ने बताया कि हाथी के हमले में मौत की जानकारी मिली है। वन कर्मियों द्वारा जांच की जा रही है। जंगल से सटे गांवों में हाथियों का मूवमेंट काफी बढ़ गया है। जहां पर घटना हुई है, वहां से तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित आजमगढ़पुरवा गांव में शुक्रवार रात को हाथियों का समूह पहुंच गया। 15 हाथियों के समूह ने जोखन, सरिता, मीरा, वीरेंद्र, विनीता, सुरेश समेत अन्य की 20 बीघा फसल को बर्बाद कर दिया।

9वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

संवाददाता–गोण्डा। जिले के मनकापुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गायत्री नगर मोहल्ले में एक 15 वर्षीय छात्रा ने आत्महत्या कर ली है। ल कक्षा 9 की छात्रा काजल शुक्ला ने अपने किराए के मकान की दूसरी मंजिल पर कमरे में प्लास्टिक की कुर्सी रखकर फंदा लगा लिया है। परिजनों ने जब छत पर धूप के लिए जाकर देखा तो काजल को फंदे से लटका पाया। तत्काल परिवार के अन्य सदस्यों को सूचित किया गया और छात्रा को फंदे से उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनकापुर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 12 बजे परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ खाना खाया था इसके बाद काजल छत पर चली गई थी। जबकि परिवार के अन्य सदस्य नीचे थे। मृतक छात्रा काजल शुक्ला अपने एक भाई और दो बहनों के साथ आरपी इंटर कॉलेज में कक्षा 9 की पढ़ाई कर रही थी। उसके पिता सुरेश कुमार शुक्ला मूल रूप से जिगना बाजार के निवासी हैं और बच्चों की पढ़ाई के लिए गायत्री नगर मोहल्ले में किराए पर रहते थे। सूचना मिलने पर मनकापुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतका काजल शुक्ला के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कराया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाकर छात्रा के कमरे की गहन जांच की जा रही है। मनकापुर कोतवाल अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि परिजन ही छात्रा को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने पुष्टि की कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और फोरेंसिक टीम जांच कर रही है। पुलिस परिजनों से भी विस्तृत पूछताछ कर रही है। परिजनों से पूछताछ की गई तो परिजनों ने बताया कि कोई भी विवाद नहीं हुआ था ठीक–ठाक हम लोगों ने खाना खाया है और उसके बाद उसने इस घटना को अंजाम दे दिया है।

पुलवामा शहीदों को भाजपा किसान मोर्चा ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–देवरिया। पुलवामा आतंकी हमले की बरसी पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा नगर मंडल ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। यह कार्यक्रम सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास केंद्र स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी इसमें शामिल हुए। उन्होंने शहीद जवानों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान पूरे परिसर में राष्ट्रभक्ति का माहौल रहा और उपस्थित लोगों ने वीर शहीदों के बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में मौजूद भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि 14 फरवरी 2019 का दिन देश के इतिहास में एक दुखद दिन के रूप में दर्ज है। इस दिन जम्मू–कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। उन्होंने आगे कहा कि यह घटना देशवासियों के लिए पीड़ादायक जरूर थी, लेकिन शहीदों की वीरता और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण पर पूरे देश को गर्व है। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने आतंकवाद के खिलाफ देश की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा अपने वीर सैनिकों के सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्र की अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अम्बिकेश पांडेय, अरुण मिश्र, डॉ. विनोद पांडेय, आदित्य सिंह, वीरेंद्र पाठक, अमरजीत मिश्र, इंद्रासन राजभर, सुमंत चतुर्वेदी, राकेश सिंह और राजू मिश्र सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहन के सामने 5 साल की बच्ची को कुत्तों ने नोंचकर मार डाला

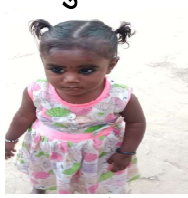

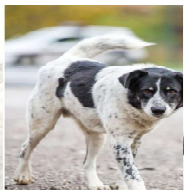

संवाददाता–गोण्डा। धानेपुर में आवारा कुत्तों के हमले से छह वर्षीय बालिका की दर्दनाक मौत हो गई। शौच के लिए गई बच्ची पर कुत्तों ने हमला कर गले में गंभीर चोट पहुंचाई। अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है, ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग की है। गोंडा के धानेपुर में में शौच को गई मासूम बालिका को कुत्तों ने नोचकर मार डाला है जिससे घर परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों ने बच्ची के शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। नगर पंचायत धानेपुर के वार्ड नंबर पांच कल्याण नगर के गांव मुहल्ला टहलुवन पुरवा निवासी विशुन लाल की छह साल की लड़की महक अपनी छोटी बहन मुस्कान पांच साल व गांव की दो अन्य छोटी छोटी लड़कियों के साथ गांव के पूरब शनिवार की सुबह शौच के लिए गई थी।

बताया जाता है कि इसी दौरान दो कुत्ते आ गए और महज पांच साल की मासूम मुस्कान को नोच कर अधमरा कर दिया। गले के पास इस कदर काट दिया की काफी खून बहने से मौत हो गई है। बालिका को काटने के दौरान गांव में आये रिश्तेदारी के युवक ने ईंट से कुत्तों को दौड़ाकर छुड़ाया और गांव पर आकर सूचना दी।

जिस पर गांव के लोग और परिजन पहुंचे इस पर बालिका को सीएचसी मुजेहना लाया गया जहां से रिफर कर दिया गया लेकिन उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। हालांकि परिजन लेकर धजिला अस्पताल गये जहां पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही घर पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए और पीड़ित परिवार को सांत्वना दिया। चेयरमैन प्रतिनिधि रक्षाराम वर्मा ने भी पहुंच कर घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान सभासद पवन प्रकाश तिवारी सहित तमाम लोगों ने पहुंचकर शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया है।

धूमधाम से निकाली भगवान भोलेनाथ की बारात

संवाददाता–देवरिया। भोलेनाथ की शिव बरात शनिवार को महाराज अग्रसेन अतिथि भवन से धूमधाम से निकली। बरात शहर के विभिन्न स्थानों से भ्रमण करते हुए शाम को सोमनाथ मंदिर पहुंची। बरात का रास्ते में जगह–जगह स्वागत हुआ। शाम को मंदिर पर भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या श्रद्धालु शामिल हुए।

सोमनाथ मंदिर में सुबह सात बजे भगवान का रुद्राभिषेक व हल्दी लगाने का कार्यक्रम शुरू हुआ। हर–हर महादेव के उद्घोष के बीच जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने भगवान शिव को हल्दी लगाई। महंत भोला गिरी की देखरेख में पंडित राजेश मिश्र और अंतिम पांडेय ने विधि विधान के साथ सभी औपचारिकताएं पूरी की। महंत भोला गिरी ने भगवान भोलेनाथ के अन्य भक्तों को उत्तरीय पहनाकर शिव बारात के लिए जत्था रवाना किया।

भगवान भोलेनाथ के भक्त सोमनाथ नगर के चौक–चौराहों से होते हुए पेड़ा गली स्थित महाराजा अग्रसेन अतिथि भवन पहुंचे। दिन में एक बजे परंपरागत रूप से शिव बारात निकली, शिव बरात में ढोल–ताशा, बैंड बाजा, शिव जी व अन्य देवी–देवताओं की झांकी निकाली गई। रास्ते में शिवभक्त नृत्य करते रहे। शिव बारात पेड़ा गली से शुरू होकर स्टेशन रोड, अबूबकर नगर, तहसील रोड, नगर पालिका, कोऑपरेटिव चौराहा, सुभाष चौक, मालवीय रोड, सुरतीहट्टा रोड, अमर ज्योति चौराहा, कसया ढाला, सिंधी मिल, श्याम मंदिर होते हुए शाम को बारात पुनः सोमनाथ मंदिर पहुंची।

इसके बाद भंडारे का आयोजन भी किया गया। रहे।

मतदाताओं के सत्यापन में आने वाली समस्याओं का समाधान करें –डीएम

ंवाददाता–बहराइच। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 के अन्तर्गत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नो मैपिंग एवं तार्किक विसंगतियों की श्रेणी के मतदाताओं को जारी की जा रही नोटिसों, मतदाताओं की सुनवाई एवं दस्तावेजों के सत्यापन के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी समेत बीएलओ के स्तर पर की जा रही कार्यवाही की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने निर्देश दिया कि नो मैपिंग के सम्बन्ध में जारी की गई नोटिस की सुनवाई तथा तार्किक विसंगतियों से सम्बन्धित मतदाताओं के सत्यापन का कार्य माह फरवरी 2026 में ही पूर्ण कर लिया जाय।

डीएम ने बताया कि अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के सहयोग हेतु एक–एक अतिरिक्त अधिकारी की ड्यूटी लगा दी गई है। अतिरिक्त अधिकारी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में सुपरवाईजर्स व बूथ लेबिल अधिकारियों से समन्वय रखते हुए कार्यों को तेजी के साथ समय से पूरा कराने में अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को सहयोग प्रदान करेंगे। डीएम ने बताया कि तार्किक विसंगतियों से सम्बन्धित मतदाताओं के सत्यापन के लिए बूथ लेबिल अधिकारियों को प्रशिक्षित कर दिया गया है। डीएम ने समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि नोटिसों की सुनवाई एवं तार्किक विसंगतियों की श्रेणी वाले मतदाताओं के सत्यापन दौरान यदि किसी स्तर पर कोई समस्या आती है तो उसका समय से समाधान भी कराया जाय। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सुनवाई स्थल ऐसी व्यवस्थाएं की जायें कि आने वाले मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मौजूद रहे।

200 विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी में 22 फरवरी को लगेगा श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य मेला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन अवध प्रांत एवं श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास द्वारा आयोजित होने वाले श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य मेला (द्वितीय संस्करण) की जानकारी देने हेतु शनिवार को अवध मॉल, अयोध्या में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर संगठन के अवध प्रांत अध्यक्ष एवं सेवा न्यास के महासचिव डॉ. भूपेंद्र सिंह ने मेले की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मेला 22 फरवरी (रविवार) को प्रातः 9 बजे से अवध इंटरनेशनल स्कूल परिसर में आयोजित होगा। मेले में संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (पीजीआई), किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, कल्याण सिंह कैंसर संस्थान सहित विभिन्न प्रमुख निजी संस्थानों के 200 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। मेले में निःशुल्क परामर्श, निःशुल्क जांच एवं निःशुल्क दवाओं की व्यवस्था की गई है। ब्लड टेस्ट, आंखों की जांच, ईसीजी, पेशाब जांच सहित विभिन्न आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। कैंसर स्क्रीनिंग के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मौजूद रहेगी। चिन्हित मरीजों को सरकारी योजनाओं के माध्यम से लखनऊ के संस्थानों में भर्ती कर उपचार की व्यवस्था कराई जाएगी। नेत्र रोगियों को चश्मा वितरित किया जाएगा तथा मोतियाबिंद मरीजों के ऑपरेशन की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।इस अवसर पर अयोध्या मेडिकल कॉलेज एवं शहर के लगभग सभी प्रमुख चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। दंत चिकित्सा के लिए सरदार पटेल डेंटल कॉलेज एवं बाबू बनारसी दास डेंटल कॉलेज की टीमें विशेष काउंटर स्थापित करेंगी।डॉ. सिंह ने कहा कि यह स्वास्थ्य मेला संगठन के मंत्र "स्वास्थ्य सेवा से राष्ट्र सेवा" को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम की समस्त व्यवस्थाएं अयोध्या से श्री शांतनु सिंह के नेतृत्व में संचालित की जाएंगी।प्रेस वार्ता में संगठन एवं मेडिकल कॉलेज की ओर से डॉ. पीयूष, महानगर इकाई के सचिव डॉ. अनूप जायसवाल तथा शेषाद्रि श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षाः संतोष कुमार शर्मा ने खराब प्रगति पर जताई नाराजगी, दिए निर्देश

संवाददाता–महराजगंज। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने अपने कैंप कार्यालय में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सीएम डैशबोर्ड पर बी, सी और डी ग्रेड प्राप्त करने वाली योजनाओं पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि बी, सी और डी ग्रेड की प्रगति किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने पर्यटन परियोजनाओं के संबंध में कार्यदाई संस्था से समन्वय स्थापित कर परियोजना पूर्णता की तिथि में बदलाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विलंब से बचा जा सके। ग्रामीण अभियंत्रण के अधिशासी अधिकारी को भवन निर्माण की प्रगति में तेजी लाने को कहा गया।

छात्रवृत्ति योजनाओं में अपेक्षित प्रगति न होने पर भी असंतोष व्यक्त किया गया और प्रभावी कार्रवाई कर सुधार लाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, पंचायत सहायकों के माध्यम से फैमिली आईडी बनवाने का भी निर्देश दिया गया।

पीएम सूर्यघर योजना के लक्ष्य को इस माह तक प्राप्त करने का निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने सभी विभागों को परस्पर समन्वय से काम करने को कहा। पीएम कुसुम योजना में खराब प्रगति पर नाराजगी जताते हुए उपनिदेशक कृषि को स्पष्टीकरण जारी करने का आदेश दिया गया। दुग्ध और मत्स्य विभाग को सहकारी समितियों और उनमें सदस्य संख्या बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अपनी विभागीय योजनाओं की प्रगति पर लगातार नजर रखने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि प्रगति खराब न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन योजनाओं में प्रगति खराब पाई जाएगी, उनमें संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह, सीएमओ डॉ नवनाथ प्रसाद, परियोजना निदेशक रामदरश चौधरी, उपायुक्त श्रम रोजगार गौरवेंद्र सिंह, एआर कोऑपरेटिव सुनील गुप्ता, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कन्हैया यादव, सहायक पर्यटक अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी, श्रेया मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

यूजीसी रेग्युलेशन 2026 के विरोध में वाहन जुलूसः महापंचायत से पहले सांसद आवास पर नारेबाजी

संवाददाता–देवरिया। यूजीसी रेग्युलेशन 2026 के विरोध में समान न्याय संघर्ष समिति ने शनिवार को एक वाहन जुलूस निकाला। यह जुलूस जिले के विभिन्न मार्गों से होते हुए सांसद शशांक मणि त्रिपाठी के आवास पर पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया।

समिति के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि संसद में यूजीसी रेग्युलेशन के खिलाफ पर्याप्त आवाज नहीं उठाई जा रही है। उनका कहना था कि यह नीति भविष्य में छात्रों, विशेषकर सवर्ण समाज के बच्चों की शिक्षा और अवसरों को प्रभावित कर सकती है। प्रदर्शनकारियों ने जनप्रतिनिधियों से पार्टी लाइन से ऊपर उठकर छात्रों के हित में स्पष्ट रुख अपनाने की मांग की।

जुलूस में शामिल प्रदर्शनकारी देवरिया सांसद शशांक मणि त्रिपाठी के बरपार स्थित आवास पर पहुंचे और घेराव कर नारेबाजी की। हालांकि, सांसद उस समय दिल्ली में संसद की कार्यवाही में व्यस्त होने के कारण आवास पर मौजूद नहीं थे। समिति के सदस्यों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आगे और व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

यह वाहन जुलूस चंडिका छात्रावास क्षेत्र से शुरू हुआ, जहां कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर माल्यार्पण किया। इसके बाद रैली बैतालपुर, बरारी, बरपार, गौरी बाजार, रुद्रपुर सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए पुनः चंडिका पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान नित्यानंद उपाध्याय, बंटी सिंह, रवि प्रकाश मिश्रा, सौरभ श्रीवास्तव, सचिता सिंह राणा, आनंद श्रीवास्तव, सोनू, धर्मेंद्र तिवारी, अमित तिवारी, सौरभ तिवारी, भानु ओंकार सिंह, बलविंदर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जुलूस के समापन के बाद चंडिका छात्रावास में कार्यकर्ताओं ने बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा की। समिति ने आगामी महापंचायत में बड़ी संख्या में लोगों से भागीदारी की अपील की है।

अगवा की गई तीन किशोरियों को पुलिस ने किया बरामद, आरोपी दबोचा

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के एक गांव से स्कूल जाते समय एक माह पूर्व अपहृत की गई तीन नाबालिग छात्राओं को पुलिस ने शनिवार को गोरखपुर रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया। घटनाक्रम को अंजाम देने वाले आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने दर्ज मुकदमें में जेल भेज दिया है। जबकि नाबालिग छात्राओं को वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया है। तीनों नाबालिग छात्राएं कुछ माह पूर्व घर से स्कूल के लिए निकली थीं। रास्ते से ही तीनों अचानक लापता हो गई थी। तीनों नाबालिगों के परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद पुलिस में शिकायत की थी। इसके बाद पुलिस एक आरोपी के विरुद्ध अपहरण का मामला दर्ज कर जांच करवाई में जुटी हुई थी। पुलिस टीम ने शनिवार को सूचना मिलते ही गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंचकर तीनों छात्राओं को बरामद कर लिया। उनके साथ मौजूद अपहरणकर्ता आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम राव ने बताया कि तीनों छात्राओं को वन स्टाप सेंटर भेजा गया है। मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है, जबकि गिरफ्तार आरोपी सुभाष भारती को दर्ज मुकदमें में जेल भेज दिया गया है।

महाशिवरात्रि पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

संवाददाता–देवरिया। महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। 15 फरवरी को मनाए जाने वाले इस पर्व के लिए जिले भर के प्रमुख शिव मंदिरों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन की ओर से मंदिर परिसरों में पर्याप्त पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेटों की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा से बचाना और कानून–व्यवस्था को पूरी तरह नियंत्रण में बनाए रखना है।

फॉरेस्ट्री एंड हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटीः सीएम मुख्यमंत्री बोले–नौकरी की गारंटी होगी विश्वविद्यालय की डिग्री

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कैम्पियरगंज में बनने जा रहे प्रदेश के पहले वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय (फॉरेस्ट्री एंड हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी) की डिग्री नौजवानों के लिए नौकरी की गारंटी होगी। इस विश्वविद्यालय से डिग्री और डिप्लोमा लेकर निकलने वाले युवाओं के लिए देश और दुनिया में रोजगार के व्यापक अवसर होंगे। साथ ही यह विश्वविद्यालय अन्नदाता किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सीएम योगी शनिवार को जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कैम्पियरगंज में बने गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र का उल्लेख करते हुए कहा कि कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है।

हमारे लिए किसी ने कुछ किया तो उसके प्रति कृतज्ञ होना हमारी जीवनशैली का हिस्सा है। गिद्धराज जटायु की मानव जाति पर बड़ी कृपा रही। माता सीता का हरण कर ले जा रहे रावण का पहला प्रतिकार गिद्धराज जटायु ने किया था। वह सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु की सवारी भी हैं। आज केमिकल और पेस्टिसाइड्स के इस्तेमाल के चलते गिद्धराज की संख्या कम होती जा रही, वे मर रहे हैं। ऐसे में गिद्धराज के प्रति कृतज्ञता जताने और उनको संरक्षण देने के लिए कैम्पियरगंज में संरक्षण केंद्र बनाया गया। यहां युवाओं को जो डिप्लोमा व डिग्री मिलेगी, वह देश–दुनिया में नौकरी की गारंटी वाली होगी। आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण प्रदूषण की है। वायु प्रदूषण से फेफड़े खराब होंगे और धीरे–धीरे पूरा शरीर खराब हो जाएगा। जब प्रदूषण नहीं होगा तो बीमारी भी नहीं होगी। उन्होंने वायु प्रदूषण को लेकर दिल्ली की चर्चा करते हुए कहा कि वहां डॉक्टर दमा रोगियों, बुजुर्गों और बच्चों को घर से बाहर न निकलने की सलाह देते हैं। यह स्थिति पर्यावरण के साथ खिलवाड़ से बनती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास भी है और दमघोंटू वातावरण से मुक्ति भी। इसी क्रम में कैम्पियरगंज में बनने जा रहा वानिकी विश्वविद्यालय पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने में और कारगर सिद्ध होगा। यह वनाच्छादन बढ़ाने और किसानों की आमदनी में वृद्धि का भी नया प्रयास होगा।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 के बाद प्रदेश और गोरखपुर के विकास की चर्चा करते हुए कहा कि जब नीयत साफ हो तो परिणाम अपने आप आ जाते हैं। अच्छी दिशा में किए गए प्रयास से आज गोरखपुर में खाद कारखाना चालू हो चुका है। गोरखपुर में एम्स सेवाएं दे रहा है, बीआरडी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा का उत्कृष्ट केंद्र बन चुका है। पिपराइच में चीनी मिल दोबारा चालू हो गई है। धुरियापार में कम्प्रेस्ड बायो गैस का प्लांट लग चुका है। गीडा में उद्योग ही उद्योग नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर और प्रदेश में विकास के बहुत बड़े–बड़े कार्य हो रहे हैं। विकास की सोच ही वर्तमान और भावी पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बनाने में सहायक होगी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जंगल कौड़िया ब्लॉक के हर गांव से जुड़ाव का जिक्र किया। कहा कि वह यहां एक–एक गांव गए हैं। हर गांव की समस्या जानते हैं, समस्या समाधान के लिए संघर्ष किया है। बाढ़ की स्थिति में पानी में घुसकर लोगों तक पहुंचे हैं। समस्याओं की तस्वीर पहले से सामने थी तो लखनऊ से उन सभी समस्याओं का समाधान भी करा दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जंगल कौड़िया ब्लॉक व कैम्पियरगंज विधानसभा क्षेत्र में आज विकास की जो स्थिति है, वह लोगों की कल्पनाओं से भी परे है। यहां कालेसर–जंगल कौड़िया बाईपास बन जाने से लोग सीधे लखनऊ पहुंच जाते हैं, वह भी सिर्फ तीन–साढ़े तीन घंटे में। चिउटहा से कुशीनगर जाने में सिर्फ आधा घंटा लगता है।

क्षेत्र की हर प्रमुख सड़क फोरलेन हो गई है। बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान हो रहा है। जंगल कौड़िया में पूज्य ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में डिग्री कॉलेज बन गया है। यहां 2 हजार से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा मिल रही है। स्टेडियम बन गया है। कुश्ती के प्रशिक्षण और अभ्यास की सुविधा से क्षेत्र के पहलवानों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। विकास के साथ ही गरीबों के कल्याण के कार्य हुए हैं। आवास, शौचालय, राशन, आयुष्मान भारत, पेंशन का लाभ हर पात्र को उपलब्ध हुआ है। यह सब विकास के प्रति भाव रखने का ही परिणाम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जंगल कौड़िया के पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्वर्गीय रामपति यादव को भी श्रद्धापूर्वक याद किया। कहा कि 1952 से आजीवन गोरक्षपीठ से जुड़े रहे रामपति यादव 1962 में जंगल कौड़िया के प्रमुख बने और तभी इस ब्लॉक मुख्यालय की स्थापना हुई थी। उन्होंने शालीनता और सहजता के साथ लंबे समय तक लोगों की सेवा की।

मुख्यमंत्री ने जंगल कौड़िया के वर्तमान ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव के कार्यों की सराहना की। कहा कि उन्होंने सवा करोड़ रुपये की ब्लॉक निधि और विकसित भारत जीरामजी योजना का बेहतर उपयोग किया है। ब्लॉक भवन में वातानुकूलित सभागार बनवाया है, साथ में सोलर पैनल की भी व्यवस्था की है। विकास के पैसे का ऐसा ही इस्तेमाल हो तो हर ब्लॉक चमकता दिखेगा। सीएम योगी ने भरोहिया ब्लॉक के विकास की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जंगल कौड़िया के लोगों के साथ वह हमेशा खड़े हैं। विकास की हर मांग को वह पूरा करने के लिए तैयार हैं। सीएम योगी ने सभी लोगों को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पर्व शुभता का प्रतीक है। मंचीय कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जंगल कौड़िया ब्लॉक परिसर में हुए पुनर्निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। साथ ही स्वर्गीय द्वारिका पांडेय शहीद स्मारक स्थल और पूर्व प्रमुख स्वर्गीय रामपति यादव की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने ब्लॉक परिसर में रुद्राक्ष का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जमीनों पर कब्जा करने वाले विकास नहीं करते, डिप्टी सीएम केशव का सपा पर जोरदार हमला

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। कहा सपा अब समाप्त हो गई है। 2027 में सपा की वापसी का सपना पूरा नहीं होगा। 2047 तक प्रदेश में विपक्ष की वापसी नहीं होगी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को जिले के खजुरी में ग्राम चौपाल में शामिल हुए और स्वयं सहायता समूह को प्रोत्साहित किया। साथ ही लाभार्थियों में आवास की चाभी और चेक वितरित किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि विपक्ष एक परिवार, एक क्षेत्र, एक जिले और एक समूह का विकास करता था। विकास के नाम पर लूट करता था। कहा कि जमीनों पर कब्जा करने वाले विकास नहीं कर सकते। कहा जब केंद्र सरकार ने मनरेगा में गांधी के नाम पर हो रही लूट को बंद किया तो सभी को दर्द हो रहा है। विपक्ष का पीडीए का मतलब परिवार डबलपमेंट एजेंसी है।

शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम से मीडिया ने पूछा कि अखिलेश यादव कह रहे हैं केंद्र और प्रदेश सरकार में जंग छिड़ी है, अब क्या बुलडोजर की जगह ब्रह्मोस भेजेंगे। इस पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि देखिए अखिलेश यादव बहुत अवसाद और तनाव में हैं। बिहार में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने गए थे लेकिन बड़ी मुश्किल से हांफते–हांफते विपक्ष का नेता बना सके। तभी से अखिलेश यादव तनाव में ऊल–जुलूल बयान दे रहे हैं। आगे कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार का बजट इतना शानदार है कि 2027 क्या 2047 तक उनको धुंधलापन दिखाई दे रहा है। सत्ता के लिए वह मुंगेरी लाल के हसीन सपने तो देख सकते हैं लेकिन सत्ता नहीं प्राप्त कर सकते इसलिए बौखलाए हुए हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार शानदार ढंग से काम कर रही है। मीडिया के एक अन्य सवाल कि अखिलेश यादव भाजपा की सरकार को भ्रष्टाचारयुक्त कह रहे हैं के जवाब में डिप्टी सीएम ने कहा कि जिन्होंने आतंकवादियों के मुकदमे वापस ले लिए मैं उनको क्या कहूं वह आतंकवादियों के समर्थक मुख्यमंत्री रहे। जब वो मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति की। पिछड़ों–दलितों का दमन, भर्तियों में भ्रष्टाचार और जमीनों पर कब्जा करवाने का काम किया।

थाने पुलिस नहीं गुंडे चलाते थे, जिले को डीएम–कप्तान नहीं माफिया किस्म के विधायक–सांसद चलाते थे। ऐसी अराजकता उत्तर प्रदेश को स्वीकार नहीं थी इसलिए सपा को उखाड़ फेंका। हम लोग पहली बार जीते, दूसरी बार जीते और तीसरी बार 2027 में फिर जीतेंगे। वाराणसी के दालमंडी क्षेत्र में ध्वस्तीकरण पर एक सवाल के जवाब में कहा कि हम मुस्लिम तुष्टिकरण नहीं, विकास करते हैं। किसी को उजाड़ते हैं तो उन्हें बसाते भी हैं। राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि देश के दुश्मनों के साथ फोटो खिंचाने वाले का नाम है राहुल गांधी। कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में घुसकर उनके साथ दुर्व्यवहार किया जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। वन्देमातरम गान की अनिवार्यता पर डिप्टी सीएम ने कहा कि इसके लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को धन्यवाद देते हैं और भारत में यदि रहना है तो वन्देमातरम कहना है।

सैनिक सम्मेलन, अपराध गोष्ठी आयोजित, पुलिस अधीक्षक ने दिए अपराध नियंत्रण के सख्त निर्देश

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में सैनिक सम्मेलन और मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह भी इस बैठक में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सैनिक सम्मेलन से हुई, जिसमें जनपद के सभी थानों और शाखाओं से आए पुलिसकर्मियों की समस्याओं को सुना गया। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निर्देशित किया। मासिक अपराध गोष्ठी के दौरान यातायात माह, साइबर अपराध और महिला अपराध जैसे विभिन्न अभियानों की समीक्षा की गई। जनपद में घटित आपराधिक घटनाओं, पंजीकृत अभियोगों और लंबित विवेचनाओं की गहन समीक्षा करते हुए उनके गुण–दोष के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के आदेश भी दिए गए। बैठक में महिला संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, अपहृताओं की सकुशल बरामदगी, पुरस्कार घोषित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, शातिर अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलने और गुंडा एक्ट के तहत जिलाबदर की कार्रवाई पर विशेष जोर दिया गया।

ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और लूट जैसे गंभीर अपराधों में प्रभावी पैरवी कर अभियुक्तों को अधिकतम सजा सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त, चोरी, नकबजनी और वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच, अवैध शराब के विरुद्ध अभियान, माल मुकदमाती के विधिक निस्तारण और ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाने पर भी बल दिया गया। उत्कृष्ट कार्य के लिए 53 पुलिसकर्मियों को कॉप ऑफ द मंथ चुना गया और उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बीएसए ग्राउंड में 267 जोड़ों का सामूहिक विवाहः डीएम के नेतृत्व में हुआ आयोजन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को बीएसए ग्राउंड में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान 267 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। कार्यक्रम में डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन सहित कई जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

कुल 358 पंजीकृत जोड़ों में से 267 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इनमें 195 हिंदू, 55 बौद्ध और 31 मुस्लिम जोड़े शामिल थे। मुस्लिम समुदाय के 16 जोड़ों का निकाह हुआ, जबकि 15 जोड़े अनुपस्थित रहे। सभी विवाह उनके संबंधित धार्मिक रीति–रिवाजों के अनुसार संपन्न कराए गए। हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार से, मुस्लिम जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा और बौद्ध अनुयायियों का विवाह उनकी परंपरा के अनुसार हुआ। इस आयोजन में नौगढ़, वर्डपुर, उस्का बाजार, लोटन, जोगिया, शोहरतगढ़ और बढ़नी विकास खंडों के साथ–साथ नगर पंचायत क्षेत्रों के जोड़े भी शामिल हुए।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के नेतृत्व में कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं की निगरानी की, ताकि नवविवाहित जोड़ों और उनके परिवारों को कोई असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक वधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 60 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 25 हजार रुपये की गृहस्थी सामग्री और 15 हजार रुपये बारात स्वागत पर खर्च किए गए हैं। सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए लाभकारी है। उन्होंने बताया कि जनपद में अब तक 6060 जोड़ों का विवाह इस योजना के तहत कराया जा चुका है। सांसद ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की भी घोषणा की।

सामुदायिक थ्रेसिंग फ्लोर निर्माण के लिए आवेदन शुरू

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को सशक्त बनाने और किसानों को बेहतर मड़ाई सुविधा प्रदान करने के लिए कृषि विभाग ने सामुदायिक थ्रेसिंग फ्लोर निर्माण की प्रक्रिया शुरू की है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन योजना के तहत एफपीओ से 14 फरवरी से एक सप्ताह तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। उप कृषि निदेशक राजेश कुमार ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य दलहन फसलों की समय पर मड़ाई सुनिश्चित करना है। इससे किसानों को खुले और सुरक्षित स्थान पर फसल की मड़ाई करने की सुविधा मिलेगी, जिससे फसल की गुणवत्ता बनी रहेगी और नुकसान की संभावना कम होगी। एफपीओ के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर इन थ्रेसिंग फ्लोर का निर्माण कराया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें। योजना के तहत थ्रेसिंग फ्लोर का निर्माण 20 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा आयताकार या 8 मीटर अर्द्धव्यास के गोलाकार आकार में किया जाएगा। इसे जमीन की सतह से एक फीट ऊंचाई पर बनाया जाएगा, ताकि बारिश या नमी से फसल प्रभावित न हो। एक थ्रेसिंग फ्लोर के निर्माण की कुल लागत 1.70 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इसमें से 50 प्रतिशत राशि संबंधित एफपीओ को वहन करनी होगी, जबकि शेष 50 प्रतिशत यानी अधिकतम 85 हजार रुपये का अनुदान कृषि विभाग द्वारा प्रदान किया जाएगा। आवेदन के समय एफपीओ को अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से सत्यापन प्रक्रिया पूरी करनी होगी और 2500 रुपये की जमानत धनराशि जमा करनी होगी। चयन प्रक्रिया ई–लॉटरी के माध्यम से की जाएगी।

जगदंबिका पाल बोले– स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव अनैतिक

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में पहुंचे डुमरियागंज के सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता जगदंबिका पाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी सदन में अमर्यादित आचरण कर रहे हैं और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर संसदीय परंपराओं को कमजोर कर रहे हैं।

सांसद पाल शहर कोतवाली क्षेत्र के बड़गो स्थित एक निजी अस्पताल का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने विपक्षी दलों पर भी हमला बोला। पाल ने राहुल गांधी के इस आरोप को निराधार बताया कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया जाता।

सांसद पाल ने सदन की कार्यवाही का हवाला देते हुए कहा, ष्जब राहुल गांधी 50 मिनट तक बोले, तब मैं खुद चेयर पर था।ष उन्होंने आगे कहा कि जहां सामान्यतः सदस्यों को 5 से 15 मिनट का समय मिलता है, वहां इतना लंबा समय मिलने के बाद भी बोलने न देने का आरोप हास्यास्पद है। उन्होंने यह भी बताया कि सदन रात 12 बजे तक चलता है ताकि हर सदस्य को अपनी बात रखने का अवसर मिले।

जगदंबिका पाल ने स्पीकर के खिलाफ कांग्रेस द्वारा लाए गए श्अविश्वास प्रस्तावश पर भी सवाल उठाए। उन्होंने इसे पूरी तरह से अनैतिक और गलत कदम बताया। पाल के अनुसार, अपनी राजनीति चमकाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं और स्पीकर के पद को निशाना बनाना संसदीय इतिहास के लिए दुखद है।

सांसद पाल ने यह भी कहा कि राहुल गांधी सदन में बेबुनियाद आरोप लगाते हैं और उनकी भाषा एक सांसद की गरिमा के अनुरूप नहीं होती। उन्होंने टिप्पणी की कि भारत में सभी को स्वतंत्रता है, लेकिन राहुल गांधी इस लोकतांत्रिक आजादी का दुरुपयोग कर रहे हैं।

गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों पर दर्ज कराएं एफआईआर –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। हर मामले का निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण होना चाहिए। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी। सीएम योगी ने शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस के अफसरों को दिए। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

सीएम योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। जनता दर्शन में कुछ मामले ऐसे भी आए थे जिनमें यह शिकायत की गई कि प्रकरण में गलत रिपोर्ट लगा दी गई है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पता लगाकर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की मदद में शिथिलता या लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की हीलाहवाली हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है।

किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को प्यार–दुलारकर सीएम योगी ने उन्हें चॉकलेट दिया और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर उन्होंने गोसेवा की। गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

पुलवामा आतंकी हमले की बरसी पर निकली 'शहीद सम्मान यात्रा'

संवाददाता–गोरखपुर। अखंड हिंद फौज एवं राष्ट्र वंदन समिति के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को पुलवामा आतंकी हमले की बरसी पर शहीद जवानों के सम्मान में 'श्रद्धांजलि' स्वरूप 'शहीद सम्मान यात्रा' निकली गई। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने 14 फरवरी, 2019 को राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 40 वीर जवानों को याद किया और उनकी वीरता को नमन किया। श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत अमर शहीदों के चित्रों के सम्मुख 40 दिया प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर और दो मिनट का मौन रखकर की गई। इस दौरान पूरा माहौल देशभक्ति के नारों और शहीद जवान अमर रहें के उद्घोष से गुंजायमान रहा।

इसके पूर्व मुख्य अतिथि सुधा मोदी, प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्र वंदन समिति विजय खेमका एवं डॉ शशि भूषण शर्मा, मेजर नित्यानंद तिवारी, सूबेदार मेजर अश्वनी पाठक ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा प्रारंभ की। यह यात्रा विश्वविद्यालय पार्क से छात्र संघ चौराहा, आंबेडकर चौराहा, कचहरी चौक होते हुए विश्वविद्यालय पार्क पहुंची। इस अवसर पर अतिथियों ने सभा को संबोधित किया। अखंड हिंद फौज के डीसीओ अंश अग्रहरि ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को हमारे सुरक्षा बलों के साहस और समर्पण से अवगत कराना था। उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्र की सुरक्षा और एकता के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन दुर्गेश त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में एएचएफ सीनियर अंश, अनमोल, शुभम, आलोक, रोहित, श्वेता, प्रेमलता, रीना जयसवाल, स्वीटी देवीलाल आदि मौजूद रहे।

पिता ने नशेड़ी बेटे के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। कैम्पियरगंज क्षेत्र के सोनौरा बुजुर्ग गांव निवासी एक पिता ने अपने नशेड़ी बेटे के खिलाफ आए दिन मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। सोनौरा बुजुर्ग गांव के रहने वाले पवन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र श्रीकांत गांजा, शराब समेत अन्य मादक पदार्थों का सेवन करता है और नशे की हालत में आए दिन परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करता है। आरोप है कि उसने पवन कुमार को मारकर उनका सिर फोड़ दिया, इसके बाद वह सिर में टांका लगवाकर थाने पहुंचे। पीड़ित का यह भी आरोप है कि कुछ दिन पूर्व आरोपी ने उनका मोबाइल फोन तोड़ दिया था। वह नशा करने के लिए आए दिन पैसों की मांग करता है और न देने पर जान से मारने की धमकी देता है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी श्रीमती रेनू पत्नी राजेश कुमार उपाध्याय मोहल्ला शिवपुरी कालोनी शास्त्रीनगर जनपद सिद्धार्थनगर की मूल निवासिनी है। प्रार्थिनी को विधवा पेंशन मिलता है जो पिछले तीन माह से बन्द हो गया। बैंक से पता करने पर बताया गया कि मेरे आधारकार्ड में फोटो व मोबाइल नम्बर किसी और का अपडेट हो गया है जो गलत है। उसे सही कराया जाय।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com